Timax®

5

मधुर हिंदी

NEP 2020
ENHANCED EDITION

अध्यापक सहायक-पुस्तिका

कक्षा - 5
पाठ - 1

मौखिक

(क) हिमालय को (ख) पूरब-पश्चिम उत्तर-दक्षिण चार दिशाएँ
(ग) हिमालय का (घ) सागर (ङ) गंगा-यमुना

लिखित

(क) हिमालय भारत का मस्तक है उसके चरण सागर धो रहा है।
(ख) देवी, देवता, संत-धर्मगुरु, ध्यानी-ज्ञानी-मानी तथा देश पर मर-मिटने वाले सेनानी सभी ने भारत को महान बनाया हैं इन्हीं के सत्कर्मों का जगत में बखान हुआ है।
(ग) देवी, देवता, संत-धर्मगुरु, ध्यानी-ज्ञानी-मानी तथा देश पर मर-मिटने वाले सेनानी सभी ने भारत को महान बनाया हैं इन्हीं के सत्कर्मों का जगत में बखान हुआ है।
(घ) जब हम इस भारत-भूमि की खातिर ही जिए और आवश्यकता पड़ने पर बंधन कट जाएँगे।
(ङ) प्यारा देश भारत
आओ मिल गाएँ
देश का गौरव गान

2. स्वयं करेंगे।
3. (क) (ii) नदियों का मिलना (ख) (i) देश
(ग) (ii) संकल्पों की (घ) (ii) समानता का
(ङ) (i) युद्ध सेनानी

कविता से आगे...

1. एकदम उचित। जिस देश के नागरिक अपनी मातृभूमि की आन-बान व शान के लिए मर-मिटने को तैयार हो जाएँ उसकी महानता कभी कम नहीं होती। जिस देश के नागरिक उसके शक्ति सामर्थ्य व सौंदर्य सामर्थ्य को ध्यान में रखकर अपना जीवन जीते हैं तथा भावी पीढ़ी को अपनी सभ्यता व संस्कृति से जुड़े रहने की प्रेरणा देते हैं उस देश की महानता कभी कम नहीं होती।
2. • देश के अच्छे, सच्चे व सभ्य नागरिक बनकर
   • यहाँ-वहाँ सार्वजनिक स्थानों पर देश की बुराई नहीं उसकी महानता का वर्णन करके
   • देश को स्वच्छ व निर्मल बनाने में अपना योगदान देकर
   • जाति-पाति के भेदभाव से परे हटकर मिल-जुलकर कार्य करके। एक दूसरे की सहायता करके भी आन-बान-शान बनाए रख सकते है।
   • संकट के समय दुश्मन का मिलजुल कर सामना करके
   • अपने देश की दूसरे देशों से तुलना में इसे हीन न ठहराकर हम अपना योगदान दे

सकते हैं।

- स्वयं पढ़कर व दूसरों को पढ़ाकर भी देश की महानता में योगदान दे सकते हैं

भाषा और व्याकरण

1. **विशेषण - विशेष्य**
   (ख) स्वच्छ - कपड़े
   (ग) समझदार - बच्चा
   (घ) संदिग्ध - व्यक्ति
   (ङ) शुद्धध - वायु
2. (क) हिमालय (ख) पाँव (ग) गंगा-यमुना (घ) भारत (ङ) सेनानी
3. (क) सूरज, दिनकर (ख) गंगा, भागीरथी (ग) जलधि, पयोधि
   (घ) मिट्टी, रेणु (ङ) संसार, जग (च) धरा, वसुंधरा
4. (क) सागर निरंतर भारत के चरण धोता है।
   (ख) हमारे देश में बहुत सी नदियाँ हैं।
   (ग) हिमालय पर्वत बहुत ऊँचा है।
   (घ) हमारे देश में अनेक महापुरुषों ने जन्म लिया है।
   (ङ) हमें भारत भूमि प्राणों से भी प्यारी है।

आओ कुछ करें

स्वयं करेंगे।

पाठ 2

मौखिक

(क) एक पैसा
(ख) बुद्धि तोलकर नहीं, उसकी किस्म के हिसाब से बेचता था।
(ग) जब दो झगड़ रहे हों, तो वहाँ खड़े होकर उन्हें देखना बुद्धिमानी नहीं है।
(घ) माल दिया है पैसा लिया है।
(ङ) कुछ भी करने से पहले खूब सोच लेना चाहिए।

लिखित

(क) फल, सब्ज़ियाँ, कपड़े, जेवर, मेवे और रोज़मर्रा की चीज़ों की दुकाने थीं।
(ख) उसके पिता उसे हमेशा निंबुद्धि और मूर्ख कहते थे इसलिए उसने बुद्धि खरीदने की सोची।
(ग) वह कारनामें के अनुसार वहाँ से खिसक नहीं सकता था।
(घ) जब तुम्हें गवाही देने के लिए बुलाया जाए।
(ङ) कुछ भी करने से पहले खूब सोच लेना। राजा व मंत्री का भेद खुल गया और राजा मरने से बच गया।

2. (क) लड़का कैसा था? (ख) परची पर क्या लिखा था?
   (ग) राजा ने मंत्री व वैद्ध के साथ क्या किया?
   (घ) सेठ और उसका बेटा बुद्धि के सौदागार के पास किसलिए गए?

(ङ) राजा ने सेठ के बेटे को क्या समझकर महल से निकाल दिया?

3. (क) (iii) एक पैसे की (ख) (ii) दो
(ग) (iii) पाँच सौ (घ) (iii) एक लाख रुपए
(ङ) (i) सेठ के बेटे को

पाठ से आगे

1. गरीब बालक/क्योंकि उसने अपनी बुद्धि के बल पर अपनी गरीबी पर विजय प्राप्त की तथा अंत में राजा के दरबार में भी उच्च पद प्राप्त किया।
2. पहले तोलो, फिर बोलो।

भाषा और व्याकरण

1. (क) स्त्रीलिंग (ख) स्त्रीलिंग (ग) पुल्लिंग (घ) स्त्रीलिंग (ङ) पुल्लिंग
2. (क) हरी घास (ख) धनी मनुष्य (ग) नीला पानी (घ) काला कौआ
(ङ) बहती नदी (च) स्वच्छ आसमान (छ) अँधेरी रात
(ज) प्यारा देश
3. (क) दासों ने सेठ के बेटे को अपना गवाह बना लिया।
(ख) दुकान के सामने राम ने ठेले लगाए।
(ग) पुनीत ने बंदरिया को केले खिलाएं।
(घ) राजा की एक रानी थी।
(ङ) सेठ के बेटे खुशी-खुशी घर पहुँचे।
4. (क) उनका (ख) उसने (ग) उसके, कोई (घ) यह (ङ) उन
5. (क) बुद्धिहीन (ख) सर्वप्रिय (ग) कर्मठ (घ) मासूम (ङ) कुशाग्र बुद्धि
6. (क) सौदागार ने परचे पर विशेष बातें लिख कर दी।
मेरे हाथ में बोर्ड का परचा आते ही हाथ- पैर काँपने लगे।
(ख) हम अपने करों से बड़े-बड़े कार्य कर सकते हैं।
(ग) जल बिना मानव जीवित नहीं रह सकता।
कल खाना बनाते समय मेरा हाथ जल गया।
7. (क) का (ख) अरे! (ग) में (घ) पर
(ङ) से (च) के लिए

आओ कुछ करें

1. (क) फल-सब्ज़ी - कीड़ा लगी व पुरानी न हो क्योंकि कीड़ा लगी फल-सब्ज़ी हमारे शरीर को नुकसान पहुँचा सकती है।
(ख) रंग न किया हो- धोने से भी उनका रंग नष्ट नहीं होता शरीर के भीतर जाकर शरीर को नुकसान पहुँचाता हैं।
(ग) पैर में फिट आएँ- ढीले या टाइट होने पर पैरो की एड़ियाँ छिल जाएँगी।
(घ) बासी न हो- उबालते ही फट जाएगा।
(ङ) कीड़ा लगी न हो- अन्य पुस्तकों को भी खराब करेगी।
2. स्वयं करेंगे।

पाठ 3

मौखिक

(क) 1 जनवरी, 1894 ई. को कोलकाता में हुआ था।
(ख) सापेक्षिकता के सिद्घांत का।
(ग) सन् 1956 में।
(घ) भगवान बुद्ध के अहिंसा के सिद्धांत पर चलते थे।
(ङ) मैडम क्यूरी और डी ब्रोगली।

लिखित

(क) तीव्र बुद्धि तथा प्रतिभाशाली थे।
(ख) भौतिकी और गणित दोनों का ही अध्ययन किया।
(ग) सत्येंद्र नाथ ने एक प्रश्न को कई-कई विधियों से हल किया था।
(घ) उनका नाम अल्बर्ट आइंस्टीन के साथ लिया जाने लगा।
(ङ) भारत सरकार ने बोस की उपलब्धियों और कार्यों के लिए उन्हें 'पद्म विभूषण' से सम्मानित किया।
(च) 4 फरवरी, सन् 1974 को अचानक हृदयगति रुकने से सत्येंद्र नाथ का मृत्यु हो गई।

2. (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✗ (घ) ✗ (ङ) ✓
3. (क) (iii) (ख) (iv) (ग) (v) (घ) (i) (ङ) (ii)
4. (क) (i) वाद-विवाद (ख) (ii) रेलवे विभाग
   (ग) (i) बोसोन (घ) (ii) ढाका विश्वविद्यालय
   (ङ) (ii) वे पाठ को खूब रटते रहते थे।

पाठ से आगे

कहते हैं पूत के पाँव पालने में दिखाई दे जाते हैं। अर्थात् बच्चे की प्रतिभा का आभास बचपन में ही हो जाता है। इसमें कोई संदेह नहीं कि आस-पास के वातावरण का भी प्रभाव पड़ता है। लेकिन भीतर की रुचि उसे बड़े होकर उसी तरफ धकेलना आरम्भ कर देती हैं हमारे बहुत से नायक व नायिकाएँ इसका उदाहरण हैं। गायक बादशाह ने कहा कि इंजीनियरिंग पिता के कहने पर पढ़ रहा था पर भीतर संगीत के कीटाणु थे इसलिए गायक और संगीतज्ञ बना।

भाषा और व्याकरण

1. (क) से (ख) में (ग) को (घ) ने, के लिए
   (ङ) से (च) में, पर
2. (क) प्रवेश (ख) श्रेष्ठ (ग) छुट्टी (घ) प्रेम
   (ङ) इच्छा (च) सच (छ) प्रेम (ज) बाल
   (झ) आलय (ञ) इंसाफ
3. (क) मरण (ख) निंदा (ग) अनुत्तीर्ण (घ) प्रदान
   (ङ) नफ़रत (च) अनास्था (छ) सुख (ज) प्रकाश

(झ) अनिश्चित (ञ) नीचा

4.

लाल-फूल	मधुर	नीली
छोटा	बड़ी	गरीब
खट्टे	मोटा	शरारती
बड़ा	रंग-बिरंगा	सुंदर- घड़ी

5. (क) बाहर कौन खड़ा है? (ख) मैं घर जा रहा हूँ।
(ग) दरवाज़े पर कोई आया है। (घ) आप इधर आइए।
(ङ) जो करेगा सो भरेगा। (च) तुम ट्यूशन जा रहे हो।

आओ कुछ करें

स्वयं करेंगे।

पाठ 4

मौखिक

(क) विलेन की तरह

(ख) पैर और पेट दोनों मज़बूत होते हैं और जो पैसा हम किराए में खर्च करते हैं, उससे कुछ बढ़िया चीज़ भी खरीद सकते हैं।

(ग) पहले जी-भर घूम लो। दुकानें, तमाशें, झूले-सब खूब देखो। सामान बाद में खरीदेंगे।

(घ) घर का खाना खाना चाहिए। बाहर का खाना खाने से बीमारियाँ हो जाती हैं। दस्त, हैजा, खाँसी बुखार जैसी।

(ङ) उनके सिर पर इक्के दुक्के काले-सफ़ेद बालों के कारण।

लिखित

(क) ठिगना कद, साँवला रंग और मोटी नाक बिलकुल अलग नज़र आते थे। बड़ी घनी मूँछे और बंजर ज़मीन की खेती की तरह सिर पर इक्के-दुक्के बाल थे।

(ख) शो रात नौ बजे छूटेगा। ठंड के मारे कुल्फी जम जाएगी। रास्ता सुनसान हो जाएगा। कोई चोर-लुटेरा भी आ सकता है।

(ग) दुकानदार ने सभी खिलौनों का दाम 130 रुपए बताया जबकि चाचा जी पहले 70 बाद में 80 रुपए देने को तैयार हुए तो दुकानदार ने मना कर दिया।

(घ) खिलौने, कपड़े, चूड़ियाँ, मिठाई, चाट-समोसे तथा रंग-बिरंगे कपड़े पहने बहुत से आदमी, औरतें व बच्चे देखें।

(ङ) चाचा जी का चरित्र विचित्र था। वे कंजूस थे इसलिए उन्होंने बच्चों को न तो कुछ खिलाया- पिलाया और न ही खिलौने दिलाए।
बच्चों को बहकाने वाले तथा हर बात का उनके पास वाज़िब जवाब था।

2.

	किसने	**किससे**
(क)	चाचाजी ने	बच्चों से
(ख)	दुकानदार ने	चाचाजी से
(ग)	चाचाजी ने	बच्चों से

(घ) दुकानदार ने चाचाजी से
(ङ) बच्चों ने चाचाजी से

3. (क) (iii) कंजूस (ख) (i) हर्ष ने (ग) (ii) चाचाजी ने
(घ) (iii) घनी-बड़ी(ङ) (ii) अस्सी रुपए (च) (i) पार्क में

पाठ से आगे

1. स्वयं करेंगे।
2. मेले में अलग-अलग राज्यों से लोग आकर दुकानें लगाते हैं। वे वहाँ की मशहूर चीज़ों को लेकर आते हैं। मेलों को देखने आने वाले लोग भी अलग -अलग जाति व धर्म के होते हैं। अलग-अलग राज्यों से आकर दूसरे राज्यों की वस्तुएँ खरीदना व वहाँ के खान-पान को चखना, वहाँ के लोगों के बारे में जानना उन्हें अच्छा लगता हैं इस प्रकार वे राष्ट्रीय एकता, भाई-चारे के साथ-साथ भारतीय संस्कृति और परम्पराओं को भी आगे बढ़ाने का काम करते हैं। मुझे मेले देखना पसंद है।

भाषा और व्याकरण

1.

	विशेषण	**विशेष्य**
(क)	भारी	भीड़
(ख)	रंग-बिरंगे	कपड़े
(ग)	बढ़िया	खाना
(घ)	सुनसान	रास्ता
(ङ)	ढेरों	खिलौने

2. (क) काले (ख) ठिगने (ग) दुकानें (घ) खिलौने
(ङ) बच्चे (च) पैरों (छ) मूँछे (ज) हाथों
3. (क) चाट-पकौड़ी देख बच्चों के मुँह में पानी आ गया।
(ख) चाचा जी ने बाज़ार की चीज़े खाने से मना कर बच्चों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया
(ग) बच्चों ने मेले में मज़े लूटे।
(घ) आज इतनी ठण्ड है मेरी तो कुल्फी जम गई लगती है।
(ङ) माता-पिता की मृत्यु से बच्चे के सारे सपने टूट जाते है।
4. (क) थोड़ा (ख) ऊपर (ग) बाहर (घ) मेरे साथ
(ङ) धीरे-धीरे (च) जल्दी
5. संज्ञा- चाचा जी, खिलौने, बच्चे, जमीन, रौद्र
सर्वनाम - हम सब, तुम, वह, उनका, यह
क्रिया- लगा था, देते थे, आ रहे थे, थक गया हूँ, होती थी।

आओं कुछ करें

1. स्वयं करेंगे।
2. आप : भैया आलू, प्याज़ किस भाव दिए?
सब्जी वाला : आलू दस रुपए किलो और प्याज़ 20 रुपये किलो दिए हैं।

आप : भैया प्याज़ तो सभी पंद्रह रुपये किलो देते हैं आप मंहगे लगा रहे हो।
सब्ज़ीवाला : नहीं दीदी! प्याज़ पीछे से ही मँहगा आ रहा है।
आप : चलो! अब तुमसे कौन बहस करें।
2 किलो आलू और दो किलो प्याज दे दो।
सब्जी वाला : अभी लो दीदी।

पाठ 5

मौखिक

(क) मूर्खों से (ख) पढ़े-लिखों से
(ग) संकट से दूर रहता। परिश्रम करता।
(घ) सुजनों के पास जाता और दुष्ट जनों के पास न जाता

लिखित

(क) जो रात-दिन परिश्रम करते है उनके पास कभी पैसा कम नहीं होता।
(ख) सुजनों को प्यारा होता और दुष्ट जनों से अलग रहता।
(ग) 'नित स्वदेश से रखता नाता' इन पंक्तियों में।
(घ) दिन रात परिश्रम करने से कवित के पास पैसा होता तो उसे सारे सांसारिक सुख मिल जाते इससे उसके जीवन में आनन्द ही आनंद होता।
(ङ) भारत गरीब देश है अगर कहीं भारत के प्रत्येक नागरिक के पास रोटी, कपड़ा और मकान होता तो आज भारतीयों को इतने कष्ट न सहने पड़ते। कवि कहता है कि पैसा बनकर वह भारत-भूमि में रहकर भारतीयों के कष्टें को दूर करता।

2. स्वयं करेंगे।
3. (क) (ii) सुजनों के पास (ख) (ii) विदेश (ग) (ii) सुजनों का

कविता से आगे...

1. जीवन में पैसे का बहुत महत्त्व हैं क्योंकि समाज में रहने के लिए इसकी कदम-कदम पर आवश्यकता पड़ती है। रोटी, कपड़ा, मकान, बीमारी हर जगह पैसा ही काम आता है। सामाजिक प्राणी होने के नाते समाज पैसों वालों को ही सम्मान देता है।
2. जी हाँ! भले ही पैसा खुदा नहीं है पर खुदा से कम भी नहीं क्योंकि समाज में इज़्जत और मान-सम्मान इसी के कारण है। जैसे खुदा को पाने के लिए इंसान अनेक तरीके अपनाता है वैसे ही इसे पाने के लिए भी वह दिन रात एक किए रहता है।

भाषा और व्याकरण

1. (क) रुक-रुक (ख) ऊपर (ग) तेज़ी से (घ) दूर
2. (क) मैं, राम, मोहन और प्रेरणा सरकस देखने जाएँगे।
(ख) क्या आपकों कोई तकलीफ़ है?
(ग) लता, वैष्णवी और ऋषभ छुट्टियाँ मनाने गए हैं।
(घ) हाँ, तुम सच कह रही हो।
(ङ) ओह! तो तुम आए हो।

3. (क) सत्यवादी (ख) विद्यार्थी (पाठक)
(ग) अतिथि (घ) अतृप्त (ङ) पठनीय

आओ कुछ करें

स्वयं करेंगे।

पाठ 6

मौखिक

(क) छज्जे पर
(ख) मम्मी ने कहा था वह भी सरकस तुम्हारे साथ जाएगी।
(ग) मौत के कुएँ में मोटर-साइकिल चला रहा था।
(घ) सरकस से (ङ) बहुत सुंदर

लिखित

(क) कहीं हाथी मौत के कुएँ में मोटर साइकिल चला रहा था, तो कहीं तोता व्यायाम कर रहा था। शेर के मुँह में एक आदमी का सिर दिखाया था।
(ख) मम्मी ने कहा वह भी सरकस जाना चाहती है इसलिए उदास हो गया पर मम्मी ने उसे दोस्तों के साथ जाने की इज़ाजत दे दी तो वह प्रसन्न हो गया।
(ग) उसने अपना गृहकार्य जल्दी से पूरा किया और बैट उठाकर बाहर खेलने चला गया।
(घ) दीपू ने सरकस वालों के खोए हुए तोते के बारे में उन्हें बताकर उनकी समस्या का समाधान कर दिया था इसलिए उन्होंने दीपू को कभी भी सरकस देखने की इज़ाजत दे दी।
(ङ) अभी सरकस एक महीने यहाँ और है। जब तुम्हारा मन करें आकर देखना।

2. (क) सरकस (ख) कारनामें (ग) मम्मी-पापा
(घ) अमरूद और हरी मिर्च (ङ) एक महीने

3. (क) (iii) दोनों (ख) (i) सरकस (ग) (ii) नीला (घ) (ii) विक्टर

पाठ से आगे

1. दीपू और उसकी माँ का व्यवहार संवेदनापूर्ण था। उस समय उन्होंने उसे खाने को दिया और सरकस वालों को उसकी जानकारी दी यही उनका कर्तव्य भी था।
2. हम इसे अनुचित ही कहेंगे। हरेक जीव जो भी परमात्मा द्वारा बनाया गया है उसे स्वतंत्रता से रहने का अधिकार है। अपनी इच्छानुसार घर बनाकर अपने बच्चों के साथ जीवन जीने का अधिकार हमें उनसे नहीं छिनना चाहिए।

भाषा और व्याकरण

1. (क) खाता है। (ख) पढ़ती है। (ग) उगता है। (घ) चला गया।
(ङ) बसरते हैं।

2. (क) भ् + आ + र् + अ + त् + अ (ख) उ + त् + स् + अ + व् + अ
(ग) द् + इ + ल् + ल् + ई (घ) व् + इ + श् + व् + अ
(ङ) प् + उ + स् + त् + अ + क् + अ

3. (क) संतरा (ख) पाँच (ग) चाँद (घ) कंघा
(ङ) कंगारू (च) पंख
4. (क) विदेशी (ख) नफ़रत (ग) दूर (घ) नापसंद
(ङ) अस्वच्छ

आओं कुछ करें

स्वयं करेंगे।

पाठ - 7

मौखिक

(क) भीम। (ख) चंचल थे। (ग) चिड़िया की आँख की पुतली।
(घ) युधिष्ठिर, भीम, दुर्योधन व अर्जुन को।
(ङ) चिड़िया की आँख की पुतली पर।

लिखित

(क) अर्जुन की कोई बराबरी नहीं कर सकता यही गुरु के गौरव का कारण बनेगा।
(ख) धनुर्विद्धा की। उनके किस शिष्य ने अभ्यास करके कितनी दक्षता प्राप्त की है।
(ग) अर्जुन सफ़ल हुआ क्योंकि उसने अपनी एकाग्रता को बनाए रखा। लक्ष्य पर अपना ध्यान केंद्रित किया।
(घ) उद्देश्य तक पहुँचने के लिए हमें मन पर पूरा अधिकार करना होगा। भ्रमित करना होगा। भ्रमित मन को सब पदार्थों से खींचकर लक्ष्य-बिंदु पर स्थापित करना होगा। ये कार्य अभ्यास से ही संभव है।
(ङ) स्वयं करेंगे।

2.

	किसने	**किससे**
(क)	द्रोणाचार्य ने	अर्जुन से
(ख)	युधिष्ठिर ने	द्रोणाचार्य से
(ग)	द्रोणाचार्य ने	सभी राजकुमारों से
(घ)	अर्जुन ने	द्रोणाचार्य से
(ङ)	द्रोणाचार्य ने	अर्जुन से

3. (क) (i) पाँच (ख) (ii) भीम को (ग) (iii) अर्जुन ने
(घ) (ii) शब्दों में (ङ) (iii) दुर्योधन

पाठ से आगे...

1. पढ़ाई में, खेल में, जब हम एकाग्रचित होंगे तभी उनमें सफलता अर्जित कर पाएँगे। जीवन का कोई भी कार्य एकाग्रचित हुए बिना संभव नहीं।
2. स्वयं करेंगे।

भाषा और व्याकरण

1. (क) अध्यापक, गुरु (ख) अनिल, वायु (ग) छात्र, विद्यार्थी (घ) वन, कानन
(ङ) नृप, भूपति (च) खग, विहग
2. **बहुवचन**

(ख) शास्त्रों शास्त्रों
(ग) कर्मवीरों कर्मवीरों
(घ) प्रश्नों प्रश्नों
(ङ) पेड़ों पेड़ों

3. (क) खूब (ख) दूर (ग) देर (घ) स्पष्ट
(ङ) पहले ही

4. (ख) न् + इ + र + अ + न् + त् + अ + र् + अ
(ग) अ + त् + इ + र् + इ + क् + त् + अ
(घ) प् + आ + न् + ड् + अ + व् + अ
(ङ) र् + आ + ज् + अ + क् + उ + म् + आ + र् + अ

5. (क) अजगर (ख) परीक्षा (ग) निशाना (घ) गुरुदेव (ङ) महोदय

आओ कुछ करें

स्वयं करेंगे।

पाठ 8

मौखिक

(क) जग में (ख) मौत से (ग) बिजली के तीर
(घ) मुसीबत (बला)
(ङ) साहस और धैर्य के साथ निरंतर आगे बढ़ते रहना तथा प्रत्येक कार्य को जी-जान से करना।

लिखित

(क, ख) बच्चे काम करने की चाह रखते हैं। मुसीबतों से डटकर मुकाबला करना चाहते हैं मौत से भी न घबराने की इच्छा व्यक्त करते हैं। अपनी मंज़िल की ओर सदा आगे बढ़ते रहने की चाह रखते हैं।
(ग) साहस और धैर्य के साथ निरंतर आगे बढ़ते रहना तथा प्रत्येक कार्य को जी-जान से करना।
(घ) वीर और धीर बनाना चाहते हैं।
(ङ) 'वीर व धीर बनेंगे।' साहस व धैर्य से ही लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है इसलिए यह पंक्तियाँ अच्छी लगी।

2. स्वयं करेंगे।

3. (क) (ii) शरारत (ख) (i) हर-हर, बम-बम
(ग) (ii) साहसी बच्चे (घ) (iii) साहस

कविता से आगे...

1. काम करेंगे हम' से कवि बच्चों के माध्यम से संदेश देना चाहता है कि हम अपनी मुश्किलों से काम करके ही निजात पा सकते है। और बच्चों में इस भावना का होना अनिवार्य है क्योंकि वही देश के भावी नागरिक हैं।
2. शिक्षा द्वारा, देश व समाज को स्वच्छ रखकर, मिल जुलकर रहकर, एक दूसरे की

सुख-दुख में सहायता करके, दूसरों देशों के साथ प्रतिस्पर्धा करके भी हम समाज व देश का नाम रोशन कर सकते हैं।

भाषा और व्याकरण

1. (क) कर्मभूमि (ख) चमकेंगे (ग) ज़मीन (घ) काम
   (ङ) बिजली (च) करेंगे
2. (क) हो रही है (ख) गई (ग) रोता है (घ) चल रही है
   (ङ) सो गया
3. (क) चिड़िया + घर = चिड़ियाघर (जानवरों के रहने का स्थान जिसे देखने लोग जाते हैं)
   (ख) गाड़ी + वान = गाड़ीवान-गाड़ी चलाने वाला
   (ग) राज + पुत्र = राजपुत्र-राजा का पुत्र
   (घ) रेल + मार्ग = रेलमार्ग-रेल के जाने का रास्ता

आओ कुछ करें

• बच्चा कूड़ेदान में कागज़ डाल रहा है। • गुब्बारे वाले से बच्ची गुब्बारा खरीद रही है।

• गार्ड चेकिंग कर रहा है। • कुछ बच्चे क्रिकेट खेल रहे हैं।
• दो बुज़ुर्ग बेंच पर बैठे बातें कर रहे हैं।
• माता अपने बच्चे को गोद में लिए खड़ी है।
• गुलाब के ढ़ेर से पुष्प खिले हुए हैं।

पाठ 9

मौखिक

(क) अकबर के
(ख) आधुनिक प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय के निदेशक पद के लिए सर्वथा उपयुक्त व्यक्ति थे।
(ग) मोनल फेज़ेंट (घ) जहाँगीर के परदादा (ङ) उस्ताद मंसूर

लिखित

(क) जहाँगीर के पिता अकबर और परदादा बाबर थे।
(ख) यह मुर्गी सर्दियों में पहाड़ियों की कगार पर चली जाती हैं अपनी उड़ान के दौरान कोई मुर्गी अंगूर के बगीचे के ऊपर से गुजर जाती है, तब वह बाद में उड़ नहीं पाती और पकड़ ली जाती है।
(ग) नादिर-उल-अस्र का ख़िताब दिया गया।
(घ) जहाँगीरनामा पक्षियों और अन्य जानवरों के उदाहरणों से भरपूर है। सारस प्रजनन व्यवहार के बारे में, नर और मादा के जोड़े बनाने से लेकर अंड़ों से बच्चे निकलने तक, उनके कार्यों का वर्णन एकदम सटीक और रोचक भी है। इसी से स्पष्ट है कि जहाँगीर प्रकृति प्रेमी थे।
(ङ) जहाँगीर ने राज-काज चाहें जैसा भी चलाया हो, पर किसी भी आधुनिक

प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय के निदेशक पद के लिए व सर्वथा उपयुक्त व्यक्ति थें।

2. (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✗ (घ) ✗ (ङ) ✓

3. (क) (iii) प्रकृति प्रेमी (ख) (iii) पक्षियों और जंतुओं के
(ग) (i) उस्ताद मंसूर (घ) (iii) 17वीं शताब्दी

पाठ से आगे...

स्वयं करेंगे।

भाषा और व्याकरण

1. (ख) भाववाचक (ग) व्यक्तिवाचक (घ) भाववाचक (ङ) जातिवाचक

2. (क) लस्सी जस्सी कस्सी
(ख) धर्म मर्म चर्म
(ग) प्रेमी प्रकृति प्रशंसा
(घ) ट्रम ड्रम ट्रक

3. (ख) स् + अ + त् + ई + श् + अ
(ग) व् + इ + र् + आ + ज् + अ् + म् + आ + न् + अ
(घ) ख् + इ + त् + आ + ब् + अ
(ङ) ब् + आ + द् + अ + श् + आ + ह् + अ

4.

	व्यक्तिवाचक	जातिवाचक
(क)	मीरा, श्रीकृष्ण	भक्त
(ख)	सुभाष चौक	प्रतिमा
(ग)	दिल्ली	इमारतें
(घ)	चेतक	घोड़ा
(ङ)	भारत	राजा
(च)	मोहन	बालक

आओ कुछ करें

स्वयं करेंगे।

पाठ 10

मौखिक

(क) बैक्टीरिया एक छोटा जीव है जिसे सूक्ष्मदर्शी यंत्र द्वारा देखा जा सकता है।

(ख) दूध पानी जैसा किन्तु दही गाढ़ा होता है।

(ग) दाल को पीसकर फिर उसे तलकर दही में डूबोकर खाया जाता है वही दही-बड़ा कहलाता है। बहुत स्वादिष्ट लगता है।

(घ) हाँ, सूक्ष्मदर्शी की सहायता से देखा है।

(ङ) दही-बड़े।

लिखित

(क) गाय, बकरी, मुर्गी, मक्खी, मच्छर आदि न जाने और कितने हैं इन्हें आँखों

से देख सकते हैं।

(ख) मिट्टी के बैक्टीरिया उन्हें तहस-नहस कर वापिस मिट्टी में ही मिला देते है।

(ग) छोटे-छोटे जीवाणुओं को बड़ा करके दिखाने वाला यंत्र सूक्ष्मदर्शी यंत्र कहलाता है।

(घ) स्वच्छ जल, स्वच्छ भोजन व स्वच्छ वायु में साँस लेना चाहिए।

(ङ) जो बैक्टीरिया दूध से दही बनाते हैं या आटे को खट्टा करते हैं वे मानव के लिए उपयोगी हैं।

2. (ग) 1 (क) 2 (ख) 3
(ङ) 4 (घ) 5 (च) 6

3. (क) पानी उबालकर पीना चाहिए। (ख) थोड़ा मट्ठा दूध में डालने से
(ग) एक से दो, दो से चार व चार से आठ।

4. (क) (ii) बैक्टीरिया (ख) (i) सूक्ष्मदर्शी यंत्र से
(ग) (i) बैक्टीरिया (घ) (i) अशुद्ध जल पीना
(ङ) (ii) क्लोरीन

पाठ से आगे...

स्वयं करेंगे।

भाषा और व्याकरण

1. (ख) कु + बुद्धि = कुबुद्धि (ग) कु + लक्षण = कुलक्षण
(घ) कु + नीति = कुनीति (ङ) कु + रूप = कुरूप
(च) कु + शाग्र = कुशाग्र

2. (क) मुझे टेलीविज़न देखना अच्छा लगता है।
(ख) डॉक्टर ने मुझे बुखार की दवा दी है।
(ग) कल मैं रेलवे स्टेशन गया था।
(घ) मेरे पास क्रिकेट बॉल है।
(ङ) अच्छे पेन से सुंदर लिखाई बनती है।
(च) आजकल नोकिया के मोबाइल अधिक चल रहे है।
(छ) भारतीय क्रिकेट का भविष्य उज्ज्वल है।

3. (क) आ रही थी वर्तमान
(ख) हूँ वर्तमान
(ग) हो गया है भूतकाल
(घ) जाएँगे भविष्यत् काल
(ङ) पिया भूतकाल

4. स्वयं करेंगे।

5. (क) निरर्थक (ख) अजातशत्रु (ग) स्व्यं सेवक (घ) विनाशकारी
(ङ) अजय (च) अनन्य

आओ कुछ करें

स्वयं करेंगे।

पाठ 11

मौखिक

(क) इलाहाबाद में गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम पर कुंभ का मेला लगता है।

(ख) हड़प्पा संस्कृति।

(ग) यमुना-नदी के तट पर।

(घ) शहर की नालियों की सारी गंदगी पवित्र नदियों में डाल दी जाती है।

(ङ) हिमालय से निकलती है।

लिखित

(क) आधुनिक युग में शहरी सभ्यता का विकास नदियों के कारण ही सम्भव हुआ है। जल के बिना मानव जीवन सम्भव नहीं। नदी जल से ही प्राणियों का कल्याण होता है। जीव-जन्तु अपनी प्यास बुझाते हैं। नदी-जल से ही किसान अपनी फ़सल सींचते हैं।

(ख) सिंधु नदी के किनारे पर हड़प्पा संस्कृति फली-फूली थी।

(ग) बाढ़ आने पर गाँव व शहर पानी में डूब जाते हैं। जान-माल की भारी हानि होती है। बाढ़ के समय नदी का जल गंदा हो जाता है।

(घ) नदियाँ जीव-जन्तुओं व मनुष्यों की प्यास बुझाती हैं। गाँव में किसान नदी जल से सिंचाई करते हैं।

(ङ) शहर की नालियों की सारी गंदगी नदियों में डाल दी जाती हैं अनेक प्रकार का कूड़ा कचरा तथा साथ ही साथ कल-कारखानों से निकला गंदा रासायनिक पदार्थ भी नदियों के जल को प्रदूषित कर रहा है।

2. (क) ✗ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✓ (ङ) ✓

3. (क) (ii) सिंधु (ख) (iii) दोनों के संगम पर
(ग) (i) मंगलकारी (घ) (iii) नील

पाठ से आगे

1. नदियों के जल में नमक नहीं होता इसलिए यह जल जीवनदायी होता है। इसी जल से किसान खेती करते हैं तो फ़सल पैदा होती है। इन नदियों के आसपास करोड़ों लोग रहते हैं जो इन्हीं पर निर्भर करते हैं। न जाने कितनी संस्कृतियों ने इनके किनारे जन्म लिया। छोटे-छोटे जीव, जंगली जानवर भी इन्हीं से अपनी प्यास बुझाते हैं। पहाड़ों से निकलने के कारण शुद्धता के साथ-साथ पवित्रता को भी संभाले हैं।

2. मानव जीवित कैसे रहता?
सिंचाई कैसे करता?
छोटे व बड़े जीव अपनी प्यास न बुझा पाते।
हमें पानी के लिए दूर-दराज खोज में जाना पड़ता।
मानव सभ्यता इतनी विकसित न हो पाती।

भाषा और व्याकरण

1.	**विशेषण**	**विशेष्य**
(क)	प्राचीन	सभ्यता
(ख)	धार्मिक	कार्य
(ग)	पवित्र	नदी
(घ)	पवित्र	संगम
(ङ)	शुद्ध	पानी

2. (ख) पछताना- समय पर पढ़ाई न करने वाले बच्चे बाद में हाथ मलते रह जाते हैं।
   (ग) कोई असर न होना- राम तो चिकना घड़ा है। कितना समझा लो पर काम पर जाता ही नहीं।
   (घ) तैयार हो जाना- दुश्मन से युद्ध में दो हाथ करने हेतु भारतीय सैनिक कमर कस कर तैयार रहते हैं।
   (ङ) होश ठिकाने लगाना- रमेश ने नरेश को मार कर आज उसे छठी का दूध याद दिलया दिया।
3. (क) हाथी ने कुछ गन्ने खा लिए।
   (ख) भूकंप में कई इमारतें गिर गईं।
   (ग) सभी लड़कियों ने नृत्य किया।
   (घ) हर रोज़ दादी माँ मुझे अनेक कहानियाँ सुनाती है।

आओ कुछ करें

स्वयं करेंगे।

पाठ 12

मौखिक

(क) प्रकृति के सुंदर रूप का चित्रण किया गया है।
(ख) लाल (ग) न्यारी बताया गया है।
(घ) जब सूर्य उदित होता है, आलस दूर भाग जाता है
(ङ) सभी अपने-अपने कार्यों में लिप्त हो जाएँ क्योंकि प्रकृति ने अपने कार्य करने आरम्भ कर दिए है। समय बीत गया तो रोने के अलावा कुछ नहीं बचता।

लिखित

(क) सूर्य की लालिमा फैलते ही चारों तरफ उजाला हो गया। ठण्डी हवा चलने लगी, चिड़िया चहचहाने लगी, आसमान धुला-धुला साफ दिखाई दे रहा है, अंधकार दूर हो गया है।
(ख) जब घने बादल छा जाते हैं, ठण्डी वायु चलने लगती है।
(ग) हे जग के स्वामी! संपूर्ण सृष्टि को चमकाने के बाद मेरे ऊपर भी कृपा करना और मेरे जीवन को प्रकाश से आलोकित कर देना।

2. (क) जब चारों ओर सुंदर वातावरण हो ऐसे समय को कभी नष्ट मत होने देना क्योंकि बीता समय कभी लौटकर नहीं आता और हमारे पास रोने के अलावा कुछ शेष

नहीं बचता।

(ख) मेरे इस जीवन रूपी रास्ते पर भी खुशहाली की किरणों बिखरा देना अर्थात् हे प्रभु! मेरे जीवन में भी खुशियाँ ले आना।

3. (क) (ii) कर्मरत रहने का (ख) (i) नीला (ग) (i) बादल (घ) (i) नीला

कविता से आगे

स्वयं करेंगे।

भाषा और व्याकरण

1. विशेषण - घने, नया, नीला, लाखों, सारा
   विशेष्य - बादल, जोश, गगन, तारे, जग
2. (क) आसमान नभ अम्बर
   (ख) अनिल वायु पवन
   (ग) परमात्मा प्रभु ईश
   (घ) दिनकर भास्कर आदित्य
3. (क) आसमान में घने बादल छाए हैं।
   (ख) मानव को सदा कर्मरत रहना चाहिए।
   (ग) कविता का संदेश यही है कि नित दिन कार्य करो।
   (घ) सूर्य किरण अपने अद्‌भुत रंगों के कारण मन मोह लेती है।
4. (क) अँधियारा (ख) असुंदर (ग) गरम (घ) दिन
   (ङ) चुस्ती (च) बुरा (छ) पाना (ज) थल
5. **पुनरुक्त** **युग्म**
   (क) कल-कल चहल-पहल
   (ख) पल-पल हल-चल
   (ग) छिन-छिन दाएँ-बाएँ

आओ कुछ करें

स्वयं करेंगे।

पाठ 13

मौखिक

(क) यूनिवर्सल फास्नर (ख) जुडसन ने

(ग) ऑफिसर की यूनिफॉर्म के कुछ कपड़ों में (घ) 1912 में

लिखित

(क) अमेरिका के जुड़सन को 1891 में आया था और उसमें जुड़सन को नौकरी पर रख लिया।

(ख) लुई वाकर ने यूनिवर्सल कम्पनी की स्थापना की।

(ग) 1905 में एक ऐसी मशीन का आविष्कार हुआ जो चेन बना सकती थी।

(घ) मैं बड़ी-बड़ी मशीनें और वस्तुएँ बनाता हूँ इन मामूली हुकों और चेनों में कौन

अपना दिमाग खराब करे।

(ङ) अपने सभी नौकरों को निकाल कर अपने इसी इंजीनियर के साथ मिलकर कोशिश करो। तुम अवश्य ठीक मशीन बना लोगे।

2. (क) ✗ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✗ (ङ) ✓

3. (क) (i) जुड़सन को (ख) (ii) लुई वाकर ने
(ग) (i) समारोह (घ) (ii) ज़िवर

पाठ से आगे...

1. स्वयं करेंगे।।
2. वैज्ञानिक खोज़ों के कारण ही मानव यातायात के साधन बना पाया। दूसरे देशों के साथ अपने संबंध मज़बूत कर पाया। आज विकसित हुआ है तो इन्हीं वैज्ञानिक आविष्कारों के कारण ही।

भाषा और व्याकरण

1. व्यक्तिवाचकः रुपया, जुड़सन, लुई, वाकर, ज़िवर, मशीन
जातिवाचक : वैज्ञानिक, कंपनी, इंजीनियर, चेन
भाववाचक : नौकरी, दोष, परिश्रम, प्रयास
2. (क) अत्याधिक (ख) सम्राट (ग) निर्माण (घ) अनियंत्रित
3. (क) रत्न + ईश (ख) धर्म + अवलंबी
(ग) मरण + आसन्न (घ) हिम + आलय
(ङ) सु + आगत
4. (क) पल्लिवत पुष्पित संगठित
(ख) आजन्म आमरण आचरण
(ग) कमसिन कमअक्ल कमउम्र
(घ) अपनापन लड़कपन बचपन
(ङ) सद्भाव सद्गति सद्भावना
5. (क) पाठशाला (ख) रसोईघर (ग) रेलगाड़ी (घ) देशभक्त
(ङ) जलचर (च) सेनापति
6. (क) किसका सामान लाए हो? (ख) सुनो! अब हम बताते है।
(ग) तुम्हें क्या चाहिए। (घ) तुम कहाँ जा रहे हो।
(ङ) मेरा भाई आया है।

आओ कुछ करें

स्वयं करेंगे।

पाठ 14

मौखिक

(क) ग्रहणी (ख) 26 सेमी. लम्बाई
(ग) दो मीटर लंबी
(घ) अग्नाशय अम्लीय तत्वों के प्रभाव को समाप्त करने वाला रसायन है।

(ङ) एन्जाइम, प्रोटीन, वसा, कार्बोहाइड्रेट्स को अलग करके शरीर के ऊतकों का निर्माण करते हैं।

लिखित

(क) हमारे द्वारा खाए गए भोजन को पचाना तथा रसों में परिवर्तित करके उन्हें रक्त में मिलाना आँतों का कार्य है। भोजन के व्यर्थ पदार्थों को गुदा द्वारा मल के रूप में बाहर निकालने का कार्य भी यही करती हैं।

(ख) बड़ी आँत दो मीटर लंबे होती है। इसका मुख्य कार्य भोजन को पचाकर शरीर के बाकी हिस्सों तक पहुँचाना होता है। अर्थात् जीवनदायक रसों को व्यर्थ पदार्थों से अलगकर रक्त में पहुँचाना।

(ग) दो भाग है।- बड़ी आँत और छोटी आँत।

(घ) भोजन को मथकर पानी की तरह बनाना तथा बड़ी आँत इस तरल पदार्थ से जीवनदायक रसों को फोक से अलग करके रक्त में पहुँचती है। इस प्रक्रिया में 12 से 14 घंटे लगते हैं। अगर हम मानसिक तनाव में हो या अत्यधिक दवाइयों का सेवन कर रहे हों तो फोक बड़ी आँत के निचले हिस्से में जमकर सड़न पैदा करता है, यही हमारी कब्ज़ का कारण भी होता है।

(ङ) अत्यधिक गुस्से की स्थिति में तथा अत्यधिक दवाओं का प्रयोग भी पाचन क्रिया में अवरोध उत्पन्न करता है।

2. (क) छोटी आँत अमाशय से शुरू होकर नीचे तक जाती है। इसके ऊपर के भाग को ग्रहणी कहते है।

(ख) बड़ी आँत दो मीटर लंबी होती है। इसके ऊपर वाले भाग में बहुत शक्तिशाली तत्व होते हैं, जो कीटाणुओं का नाश करते हैं।

(ग) गुस्से की स्थिति में भोजन नहीं पचता। गुस्से में मांसपेशियाँ काम करना बंद कर देती है। तनाव व चिंता में भी आँत का स्तर सूज जाता है। इससे दर्द हो सकता है और पाचन क्रिया गड़बड़ा जाती है।

3. (क) (ii) लगभग चार मीटर (ख) (iii) भोजन का पाचन
(ग) (iii) आठ घंटे (घ) (ii) भाजन पचता नहीं
(ङ) (i) एन्ज़ाइम

पाठ से आगे...

स्वयं करेंगे।

भाषा और व्याकरण

1. (ग) आँते (घ) दवाई (ङ) कीटाणुओं (च) क्रिया
(छ) तत्वों (ज) रसायन (झ) गुरुजन (ञ) ऊतक
2. (क) हमारे (ख) तुम क्या (ग) वह (घ) कौन
(ङ) कोई
3. (ख) पदार्थ (ग) ट्यूब (घ) कोशिकाएँ (ङ) तत्व
4. (क) दिन + इक = दैनिक (ख) पल्लव + इत = पल्लवित

(ग) समाज + इक = सामाजिक (घ) पुष्प + इत = पुष्पित

(ङ) पक्ष + इक = पाक्षिक (च) घटना + इत = घटित

5. (क) श्रम पारिश्रमिक परिश्रम

(ख) ज्ञान ज्ञानी अज्ञान

(ग) क्षत्रिय क्षेत्रीय कक्षा

(घ) त्रिशूल त्रिभुवन त्रिलोकी

6. (क) की (ख) को (ग) ने (घ) पर

(ङ) के लिए

आओ कुछ करें

स्वयं करेंगे।

पाठ 15

मौखिक

(क) चैत्यों के साथ हमेशा विहार जुड़ा रहता था।

(ख) गुरूकुलों में गुरु-शिष्य का रहन-सहन, खान-पान साथ में ही होता था।

(ग) नासिक का गौतमी-पुत्र विहार बना है।

(घ) कुछ विहार छह-छह, आठ-आठ मंजिलों के होते थे। वे बौद्ध भिक्षुओं के रहने-पढ़ने, दोनों कामों में आते थे।

(ङ) दस हज़ार विद्यार्थी पढ़ते थे।

लिखित

(क) स्तूपों और चैत्यों की भाँति ही विहार बौद्ध युगीन जीवन के मुख्य भाग थे। विहार उसे कहते हैं जहाँ बौद्ध संघ का निवास जुड़ा होता था। विहार एक प्रकार के मठ थे। यहाँ आचार्य के संरक्षण में रहकर बौद्ध भिक्षु और भिक्षुणियाँ धर्म की साधना करते थे।

(ख) नालंदा साहित्य, कला, संस्कृति, ज्ञान-विज्ञान का केंद्र था। इसकी बहुमंजिली इमारतें लंबाई, चौड़ाई और ऊँचाई में भव्य थी, जैसी परियों की कहानियों में होती है। दूर से पहाड़ों की नुकीली चोटियों जैसी दिखती थी।

(ग) मौर्य, शुंग और कुषाण इत्यादि सम्राटों के काल में विहार बनाए गए।

(घ) जेतवन विहार, गौतमी पुत्र विहार, भाजा का विहार, बेडसा का विहार प्रसिद्ध है।

(ङ) आक्रमणकारियों ने यहाँ के भवनों और पुस्तकालयों में आग लगवा दी थी।

2. (क) चैत्यों (ख) नालंदा (ग) बौद्ध भिक्षुओं (घ) चार मंजिला

3. (क) (ii) 1500 (ख) (iii) नौ मंज़िली

(ग) (iii) दोनों (घ) (i) जेतवन (ङ) (ii) चार मंज़िला

पाठ से आगे...

स्वयं करेंगे।

भाषा और व्याकरण

1. (क) विहारों (ख) अध्यापक (ग) आचार्यों (घ) गुरु
   (ङ) पत्थरों (च) मंज़िल (छ) भिक्षुओं (ज) तालाबों
2. (क) वायु, अनिल (ख) अध्यापक, शिक्षक
   (ग) पुराना, पुरातन (घ) पाषाण, शिला
   (ङ) भवन, आलय (च) सर, सरोवर (छ) विद्यालय, पाठशाला
   (ज) मुसाफ़िर, पर्यटक
3. (क) नवीन (ख) असमान (ग) शिष्या (घ) सूर्यास्त
   (ङ) संकीर्ण (च) कुख्यात (छ) धर्म (ज) अशांति
   (झ) असुंदर (ञ) अवगुण
4. (क) चोर को पकड़ लो।
   (ख) छोटी बच्ची खिलोने से खेल रही थी।
   (ग) तुमने किसे बुलाया है? (किसको) (घ) सचिन ने खाना खाया।
5. (क) दो (ख) यह (ग) परम (घ) मधुर (ङ) कुछ

आओ कुछ करें

स्वयं करेंगे।

पाठ 16

मौखिक

(क) धनी-निर्धन सभी के श्रृंगार हैं। (ख) सूरज
(ग) चाँद की चाँदनी (घ) सभी/अनेक रंगों के
(ङ) उपवन की शोभा उन्हीं के कारण हैं।

लिखित

(क) सूर्य की किरणें हमारे दिल की कलियाँ खिला जाती हैं और चंद्रमा की चाँदनी हम सबकों नहला जाती है।
(ख) मिट्टी, धूप, जल, हवा से ये खिल उठते हैं।
(ग) फूलों से यहाँ फूल पृथ्वी पर रहने वाले मानव है। धरती की सुंदरता मानव व प्रकृति ही है।
(घ) कवि के कहने का तात्पर्य यह है कि भले ही हम मानव रंग-रूप व भाषा में अलग है पर विश्व के सभी मानव एक समान हैं। प्रकृति के ये फूल विविधता में एकता के प्रतीक हैं इसलिए कवि ने बार-बार इन पंक्तियों का प्रयोग किया है।

2. (क) भले ही रंग-रूप, भाषा अलग है लेकिन इस धरती पर हम सब के रहने से ही सुंदरता बनी हुई है। जैसे- अलग-अलग रंगों के पुष्पों से बाग की शोभा बनती है।
   (ख) हम काँटे रूपी मुसीबतों से घबराते नहीं बल्कि हँसकर उसका सामना करते है। हम सभी मिलकर एक सुंदर उपवन अर्थात् संसार का निर्माण करते हैं।
3. (क) नहलाती (ख) सारी (ग) सबकी (घ) बंधकर
   (ङ) उपवन (च) पलना
4. (क) (ii) वन (ख) (iii) हृदय

(ग) (i) ईश्वर की (घ) (ii) गुलाब (ङ) (i) हमारा देश

कविता से आगे

1. मिलजुल कर रहेंगे। जाति व धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं करेंगें किसी को भी छोटा-बड़ा न समझ सब की सहायता को तत्पर रहेंगे।
2. हम सभी को मिलजुल कर रहना चाहिए आपसी झगड़ों को भुलाकर एक सुंदर उपवन की भाँति सदा हँसते-मुस्कुराते रहना चाहिए।

भाषा और व्याकरण

1. (क) वायु (ख) बाग (ग) हृदय (घ) सुंदरता
   (ङ) चंद्रमा (च) धागा
2. (क) कल (ख) अनेकता (ग) आकाश (घ) रोना
   (ङ) खट्टा (च) एक
3. (क) आजकल सारा कार्य मशीनें ही करती हैं।
   मैं कल पंजाबी बाग जाऊँगा।
   (ख) मेरे मित्र ने मुझे आवाज़ दी।
   वर्णमाला में स्वरों की संख्या ग्यारह है।
   (ग) हर मनुष्य को आठ घंटे अवश्य सोना चाहिए।
   मैंने स्वर्ण-आभूषण पहनना छोड़ दिया है।
4. (क) धरती क्यारी धूप माली (ख) फूल जल उपवन मिट्टी
   (ग) हम जिसकी हमारी हमारा (घ) एक मीठा शोभा सुगंध
   (ङ) झूलकर मिलकर खिलाती नहलाती
5. (क) के विरुद्ध (ख) के जैसी (ग) के पीछे (घ) के सामने
   (ङ) के ऊपर

आओ कुछ करें

स्वयं करेंगे।

आदर्श प्रश्न पत्र-1

1. (क) (ii) नहीं (ख) (iii) दोनों 2. (क) जब हम अपने आप को पढ़ते हैं।
   (ख) सत्य, साहस, सहिष्णुता, परिश्रम, ईमानदारी से साधारण मानव भी महान बन जाता है।
3. महापुरुषों का जीवन।
4. (क) सागर निरंतर भारत के चरण धोता है।
   (ख) हमारे देश में बहुत सी नदियाँ हैं। (ग) हिमालय पर्वत बहुत ऊँचा है।
   (घ) हमारे देश में बहुत से महान पुरुषों ने जन्म लिया है।
   (ङ) हमें भारत-भूमि प्राणों से भी अधिक प्रिय है।
5. (क) स्त्रीलिंग (ख) स्त्रीलिंग (ग) पुल्लिंग (घ) स्त्रीलिंग (ङ) पुल्लिंग
6. (क) मरण (ख) निंदा (ग) अनुत्तीर्ण (घ) प्रदान (ङ) घृणा/नफ़रत
7. **विशषण** **विशेष्य**

(क) भारी भीड़
(ख) रंग-बिरंगे कपड़ें
(ग) बढ़िया खाना
(घ) सुनसान रास्ता
(ङ) ढेरों खिलौने

8. (क) लड़का कैसा था? (ख) परची पर क्या लिखा था?
(ग) राजा ने मंत्री और वैद्य के साथ क्या किया?
(घ) सेठ और उसका बेटा बुद्धि के सौदागर के पास किसलिए गए?,
(ङ) राजा ने सेठ के बेटे को क्या समझकर महल से निकाल दिया।

9. (क) 3 (ख) 4 (ग) 5 (घ) 1 (ङ) 2

10. (क) कुछ भी करने से पहले खूब सोच लेना चाहिए इसके कारण राजा मंत्री व वैद्य के षड़यंत्र को पहचान गया और उसकी जान बच गई।
(ख) पद्म विभूषण से सम्मानित किया।
(ग) खिलौने, कपड़े, चूड़ियाँ, मिठाई, चाट-समोसे आदि देखे।
(घ) जो लोग दिन-रात परिश्रम करते हैं उनके पास कभी कम नहीं होता।
(ङ) सरकस एक महीने यहाँ और है, तुम्हारा जब मन करें, आकर देख लेना। दीपू यह सुनकर खुश था।

11. **सुभाष चन्द्र बोस**

सुभाष बोस का जन्म 1897 को उड़ीसा के एक सम्पन्न बंगाली परिवार में हुआ था। पिता जानकीनाथ बोस शहर के मशहूर वकील थे। नेता जी ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा कटक में रेवेशॉव कॉलेजिएट स्कूल से प्राप्त की। बाद में कलकत्ता के प्रेजिडेंसी कॉलेज से हुई। बाद में उनके पिता ने उन्हें इंग्लैण्ड के केंब्रिज विश्वविद्यालय भेज दिया। अंग्रेजों के राज में भी उन्होंने सिविल सर्विस की परीक्षा पास की। कुछ समय पश्चात ही सर्विस छोड़ कांग्रेस में शामिल हो गए। सुभाष बोस गांधी जी के अंहिसा के विचारों से सहमत नहीं थे। लेकिन सुभाष बोस और गांधी जी का मकसद एक ही था भारत की आज़ादी। सबसे पहले गांधी जी को राष्ट्रपिता कहकर नेता जी ने ही सम्बोधित किया था। बाद में सुभाष बोस ने भारतीयों को ललकारते हुए कहा था - तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आज़ादी दूँगा। भारत को आज भी इन पर गर्व है।

12. आदरणीय माता जी,
सादर प्रणाम।
मैं यहाँ कुशल हूँ और आप सब की कुशलता की कामना करता हूँ।
माता जी मैं छात्रावास में खुश हूँ मेरे बहुत से मित्र बन गए हैं। हमें सुबह 6.30 पर उठा दिया जाता है। दैनिक कार्यों से निवृत्त होकर हम नाशते के लिए 7.30 भोजनालय पहुँचते है और वहीं से कक्षा के पश्चात फिर से दोपहर का भोजन कर दो घंटे विश्राम करने के पश्चात गृहकार्य करके खेलने निकल जाते हैं। हमारे सभी अध्यापक बहुत अच्छे हैं हमें समय-समय पर प्रोत्साहित करते रहते हैं।

मेरी चिंता मत करना मैं यहाँ खुश हूँ। छुटकी को ढेर सारा प्यार व पिता जी को चरण-स्पर्श।

तुम्हारा पुत्र,
यतिन

आदर्श प्रश्न पत्र-2

1. (क) (iii) भील (ख) (i) जंगल (ग) (ii) निडर
2. (क) शिष्य (ख) डरपोक
3. (क) निडर और साहसी था (ख) गुरु द्रोणाचार्य से
4. (क) हो रही है। (ख) गई (ग) रोता है।
   (घ) चल रही है। (ङ) सो गया।
5. (क) म् + उ + ग् + अ + ल् + अ (ख) स् + अ + त् + ई + श् + अ
   (ग) व् + इ + र् + आ + ज् + अ + म् + आ + न् + अ
   (घ) ख् + इ + त् + आ + ब् + अ
   (ङ) ब् + आ + द् + अ + श् + आ + ह् + अ
6. (क) टेलीविज़न पर अच्छे कार्यक्रम देखना मुझे अच्छा लगता है।
   (ख) मैं डॉक्टर से बुखार की दवाई लेकर आया था।
   (ग) रेलवे स्टेशन पर बहुत भीड़ है।
   (घ) मैंने मेज़ पर हिंदी की पुस्तक रखी थी।
7.

	विशेषण	**विशेष्य**
(क)	प्राचीन	सभ्यता
(ख)	धार्मिक	कार्य
(ग)	पवित्र	नदी
(घ)	पवित्र	संगम
(ङ)	शुद्ध	पानी

8. ग - 1
   क - 2
   ङ - 3
   ख - 4
   घ - 5
9. क ✓ ख ✗ ग ✗ घ ✗
10. (क) सिंधु नदी के किनारे हड़प्पा संस्कृति फली फूली थी।
    (ख) बच्चे वीर और धैर्यवान बनना चाहते है।
    (ग) जहाँगीर ने राज-काज जैसा भी चलाया हो, पर किसी भी आधुनिक विज्ञान संग्रहालय के निदेशक पद के लिए वे सर्वथा उपयुक्त व्यक्ति थे।
    (घ) जो बैक्टीरिया दूध से दही बनाते हैं या आटे को खट्टा करते हैं वे मानव के लिए उपयोगी हैं।

(ङ) हे जग के स्वामी! संपूर्ण सृष्टि को चमकाने के बाद मेरे ऊपर भी कृपा करना और मेरे जीवन पथ को प्रकाश से आलोकित करना।

11. **कम्प्यूटर**

आज का युग विज्ञान का युग है। विज्ञान ने मानव को अनेक शक्तियाँ, सुख-सुविधाएँ व उपकरण प्रदान किए हैं जिनमें कम्प्यूटर भी एक है। कम्प्यूटर को मानव-मस्तिष्क कहा जाए तो गलत नहीं होगा। अपनी विशेषताओं के कारण यह हमारे जीवन का अंग बन गया है। आज कंप्यूटर का प्रयोग बैंकों, रेलवे स्टेशनों, कार्यालयों तथा स्कूलों सब जगह हो रहा है। चिकित्सा के क्षेत्र में भी इस का प्रयोग करने से मदद मिलती है। बड़े-बड़े कारखानों में मशीनों को चलाने में इसका प्रयोग होता है। बिजली, पानी का बिल भरने से लेकर दुनिया भर की जानकारी का स्रोत भी यही है। आज का कंप्यूटर मानव के लिए कल्पतरु है। लेकिन इसका प्रयोग गलत तरीके से करने पर बच्चों को हानि भी हो सकती है। इसलिए ध्यान व समझदारी के साथ इसका प्रयोग करना चाहिए।

12. परीक्षा भवन

..जनवरी 20..

प्रिय मित्र,

नमस्कार।

बहुत दिनों से तुम्हारे पत्र की प्रतीक्षा के पश्चात आज पत्र लिखने बैठा हूँ। आपको तो पता ही है आज से पंद्रह दिन बाद यानि 30 जनवरी को मेरा जन्मदिन है। मैं चाहता हूँ कि आप भी उपस्थित हों। मैं दस वर्ष का होने जा रहा हूँ इसलिए माँ-पिताजी ने एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया है। आपके बिना यह सब फीका-सा होगा। इसलिए आपको माता-पिता सहित अवश्य आना है। तुम्हारी इंतजार करूँगा।

तुम्हारा मित्र,

गौरव चावला

मधुर हिंदी

Interactive Resources

- Download the free app 'Green Book House' from google play.
- Free online support available on 'www.greenbookhouse.com'.
- Ample teacher's support available.

GREEN BOOK HOUSE
(EDUCATIONAL PUBLISHER)
F-214, Laxmi Nagar, Mangal Bazar, Delhi-110092
Phone : 9354766041, 9354445227
E-mail : greenbookhouse214@gmail.com
Website: www.greenbookhouse.com